भारत-EFTA मुक्त व्यापार समझौता

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

चर्चा में क्यों?

स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन वाले **EFTA** ब्लॉक के साथ भारत का **मुक्त व्यापार समझौता (FTA)** प्रभावी हो गया है, जो **व्यापार एवं निवेश संबंधों को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।** यह समझौता वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में भारत की बढ़ती भूमिका और विदेशी निवेश आकर्षित करते हुए बाज़ार पहुँच बढ़ाने की उसकी रणनीति को दर्शाता है।

भारत-EFTA FTA क्या है?

- **परिचय:** भारत-**EFTA FTA (व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (TEPA))** को मार्च 2024 में अंतिम रूप दिया गया और यह **1 अक्तूबर, 2025** को लागू हुआ।
  - यह भारत के वैश्विक व्यापार संबंधों को मज़बूत करता है तथा **संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन** के साथ हाल ही में हुए **FTA** को और अधिक सुदृढ़ बनाता है।
- **उद्देश्य:**
  - **उन्नत बाज़ार पहुँच: EFTA ने भारत के औद्योगिक और गैर-कृषि उत्पादों के लिये 100% बाज़ार पहुँच प्रदान की है।** प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर टैरिफ रियायतें प्रदान की गई हैं।
  - **निवेश और रोज़गार:** EFTA के सदस्य देश **15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर** की बाध्यकारी निवेश प्रतिबद्धता लाएँगे। इस निवेश से भारत में 1 मिलियन प्रत्यक्ष रोज़गार सृजित होने की उम्मीद है।
  - **व्यापार सुविधा के लिये समर्पित संस्थागत तंत्र:** फरवरी 2025 से कार्यरत एक समर्पित **EFTA डेस्क,** एकल-खिड़की निवेश सुविधा तंत्र के रूप में कार्य करता है। यह EFTA व्यवसायों को भारत में **निवेश, विस्तार और संचालन में सहायता** प्रदान करता है।

मुक्त व्यापार समझौते क्या हैं?

- **परिचय: FTA या मुक्त व्यापार समझौते** दो या दो से अधिक देशों के बीच व्यापार में आने वाली बाधाओं जैसे **टैरिफ (आयात/निर्यात पर कर)** और **वस्तुओं एवं सेवाओं पर कोटा को कम करने या समाप्त करने के लिये किये गए समझौते हैं।**
  - भारत के **जापान, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA), सिंगापुर और श्रीलंका** जैसे देशों तथा समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) हैं।
    - इसके अतिरिक्त, भारत-यूरोपीय संघ FTA पर भी अभी उन्नत वार्ता चल रही है।
- **मुक्त व्यापार समझौतों से भारत के लाभ**
  - **बाज़ार पहुँच:** टैरिफ/गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करके निर्यात का विस्तार (उदाहरण के लिये, **भारत-UAE CEPA ने 90% निर्यातों को शुल्क-मुक्त पहुँच प्रदान की और** CEPA के कार्यान्वयन के पहले वर्ष में निर्यात में 12% की वृद्धि हुई)।
  - **निवेश में वृद्धि:** स्थिर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित **(भारत-ऑस्ट्रेलिया ECTA के कारण FDI प्रवाह में 25% की वृद्धि हुई)।**
  - **कृषि लाभ:** किसानों के लिये नए निर्यात बाज़ार **(भारत-मॉरीशस CECPA ने चीनी और चाय जैसे कृषि निर्यात में वृद्धि की)।**
  - **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण:** उन्नत तकनीक तक पहुँच **(नवीकरणीय ऊर्जा में भारत-ऑस्ट्रेलिया ECTA ऊर्जा परिवर्तन में सहायता कर रहा है)।**
  - **SME समर्थन:** व्यापक वैश्विक मूल्य शृंखला एकीकरण **(भारत-सिंगापुर CECA आईटी और इंजीनियरिंग में SME को लाभान्वित करता है)।**
  - **नियामक संरेखण:** मानकों का सामंजस्य **(भारत-EFTA TEPA उत्पाद प्रमाणन को संरेखित करता है, अनुपालन लागत में कमी करता है)।**
- **भारत के FTA से संबंधित चिंताएँ:**
  - **व्यापार घाटा:** बढ़ता आयात बनाम स्थिर निर्यात **(भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के कारण वित्त वर्ष 2022-23 में आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह 44 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया है)**
  - **विकसित बाज़ारों तक सीमित पहुँच:** गैर-टैरिफ बाधाएँ प्रवेश को प्रतिबंधित करती हैं (उदाहरण के लिये, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR)/आँकड़ों संबंधी समस्याओं के कारण यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते में देरी)।

- **छोटे किसान और MSME जोखिम में:** किफायती आयात से होने वाली प्रतिस्पर्द्धा से कमज़ोर क्षेत्र प्रभावित होते हैं **(उदाहरण के लिये, आसियान मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के तहत रबड़ उत्पादक किसान)।**
- **श्रम और पर्यावरण संबंधी प्रावधान: यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र** जैसी बाध्यकारी शर्तें भारतीय निर्यात को हानि पहुँचा सकती हैं।
- **कमज़ोर विवाद समाधान:** धीमा/असंतुलित तंत्र **(उदाहरण के लिये, पाम ऑयल और मशीनरी शुल्क पर भारत-आसियान विवाद)।**

वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति सुदृढ़ करने के लिये भारत क्या उपाय अपना सकता है?

- **निर्यात प्रतिस्पर्द्धा को मज़बूत करना:** विनिर्माण और कृषि में **गुणवत्ता, ब्रांडिंग तथा तकनीकी उन्नयन** पर ध्यान केंद्रित करना।
- **व्यापार साझेदारों में विविधता लाना: अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया-प्रशांत** के उभरते बाज़ारों को शामिल करने के लिये FTA का विस्तार करना।
- **MSME और स्टार्टअप्स को समर्थन देना:** निर्यातोन्मुख लघु उद्यमों के लिये **ऋण, लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म** तक पहुँच को सरल बनाना।
- **बुनियादी ढाँचे में सुधार करना:** लेन-देन की लागत कम करने के लिये **बंदरगाहों, लॉजिस्टिक्स केंद्रों, माल ढुलाई गलियारों और कोल्ड चेन** सुविधाओं का विस्तार करना।
- **अनुपालन और मानकों को बढ़ाना:** निर्यातकों के लिये अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता, श्रम और पर्यावरणीय मानदंडों को पूरा करने हेतु **क्षमता निर्माण** को सुगम बनाना।
- **डिजिटल व्यापार प्लेटफॉर्म का लाभ उठाना:** व्यापक पहुँच के लिये **वर्चुअल ट्रेड शो, ई-मार्केटप्लेस और ऑनलाइन FTA उपयोग** को बढ़ावा देना।

निष्कर्ष

भारत-EFTA FTA, भारत के **वैश्विक व्यापार संबंधों को मज़बूत करने, निर्यात को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने** की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, साथ ही इसमें घरेलू उद्योग चुनौतियों तथा रणनीतिक व्यापार विविधीकरण के सावधानीपूर्वक प्रबंधन की भी आवश्यकता है।

और पढ़ें: मुक्त व्यापार समझौतों की समीक्षा

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????

प्रश्न: निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (2018)

1. ऑस्ट्रेलिया
2. कनाडा
3. चीन
4. भारत
5. जापान
6. संयुक्त राज्य अमेरिका

उपर्युक्त में से कौन-से आसियान के 'मुक्त-व्यापार साझेदार' हैं?

(a) 1, 2, 4 और 5
(b) 3, 4, 5 और 6
(c) 1, 3, 4 और 5
(d) 2, 3, 4 और 6

उत्तर: (c)

?????

प्रश्न. भारत के व्यापार संतुलन और औद्योगिक प्रतिस्पर्द्धात्मकता पर मुक्त व्यापार समझौतों के प्रभाव का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। **(2019)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-efta-free-trade-agreement